चन्दा झा

चन्दा झाक वास्तविक नाम रहनि चन्द्रनाथ झा, मुदा रचनाकारक रूपमे ई प्रसिद्ध छथि चन्दा झाक नामसँ। ई दरभंगा जिलाक पिण्डारूच गामक वासी रहथि, बादमे मधुबनी जिलाक ठाढ़ी गामक निवासी भऽ गेलाह। ई गाम हिनक सासुर रहनि। हिनक शिक्षा-दीक्षा भेल मातृकमे, सहरसाक बड़गाममे। ओतहि पढ़ि कऽ ई पण्डित बनलाह, विद्वानक रूपमे ख्याति अर्जित कयलनि।

चन्दा झा दीर्घजीवी छलाह। हिनक जन्म 20 जनवरी 1831 आ मृत्यु 14 दिसम्बर 1907 भेलनि। ई जेहने विद्वान रहथि तेहने साधक। महाराज लक्ष्मीश्वर सिंह तथा रमेश्वर सिंहक राजदरबारक मूर्धन्य पण्डित रहथि। ओतहि हिनक विद्वत्ता आ साहित्य-प्रेम विकसित भेल। मैथिली साहित्य संसारमे ई अनुसन्धनकर्त्ता, कवि आ अनुवादक रूपमे विशेष प्रसिद्ध छथि। विद्यापतिक अनेक कृतिक खोज कऽ ओकरा लिपिबद्ध करब, ओकर पाठकेँ सोझरायब हिनक अद्वितीय उपलब्धि अछि। मिथिलाक लोककण्ठमे व्याप्त विद्यापतिक गीतकेँ एकत्र कऽ ओकरा जे मानक रूप देलनि अछि से हिनक कर्मठता एवं विद्वत्ताक अपूर्व दृष्टान्त अछि।

मैथिली साहित्यमे चन्दा झाक सर्वोत्कृष्ट देन अछि, 'मिथिला भाषा रामायण' तथा 'पुरुष-परीक्षाक मैथिली'अनुवाद। मैथिलीमे पहिल महाकाव्य यैह लिखलनि। हिनक रामायणक कतोक पाँती मैथिल मेधाक आ एहि ठामक भाषा-शक्तिक प्रमाण बनि गेल अछि। रामकथाकेँ जाहि सरल आ सहज भाषामे ई रखलनि अछि से हिनका अमर बनबैत अछि। पुरुष-परीक्षाक गद्य-पद्यमय अनुवाद कऽ मैथिलीमे कथा-लेखनक सूत्रपात करबाक श्रेय हिनके छनि।

चन्दा झा मुक्तक-कविताक लेल सेहो प्रसिद्ध छथि। हिनक वैचारिकताक काव्यात्मक रूप मुक्तके रचनामे बेसी मुखर अछि। प्रस्तुत 'समय-साल' कवीश्वर चन्दा झाक मुक्तक कविता अछि।

काव्य सन्दर्भ -पठित कविता मैथिली अकादमी, पटनासँ प्रकाशित, डॉ. विश्वेश्वर मिश्र द्वारा सम्पादित 'चन्द्र रचनावली' नामक संग्रहसँ लेल गेल अछि। एहि कवितामे मिथिलाक बाढ़ि रोकबाक लेल होइत लोकक प्रयास, बाढ़िसँ भेल तबाही आ जनजीवनक त्रासदीक चित्रण अछि। कवि दाही-रौदीक विभीषिकासँ मुक्त सुखमय जीवनक कामना करैत छथि। तखने मिथिला विकास करत, मैथिल अपन बुद्धि बलक छाप छोड़ताह।

समय-साल

भदइ सुखायल धान दहाय।
गरिब किसान कि करत उपाय।।
कोना दिन काटत जिउत कि खाय।
वाल वचा मिलि करै हाय हाय ।।
हृदय जनु फाटत ।
वाँधल छहर ऊच कै आरि ।
राति दिन सभ धयल कोदारि।।
सारि छल उपजल लेल संहारि।
निर्दय कमला कि दहु विचारि।।
हारि हिय वैसल ।
समटु समटु जल कमला माय ।
करु जनु एहन देवि अन्याय।
असह दुख होइछ आस लगाय।
कैलहु खरचा करज कै खाय।।
विकल जन रोइछ ।
वड़ रौदी छल वरिसल पानि।
मघ असरेस कयल नहि हानि।।
चलल छल धन्धा कह कवि चन्द ।
अपन वुतै की होयत काज समय न भेल मन्द।।

8A

शब्दार्थ

भदइ	:	भादवमे उपजयवला अन्न-यथा -मरुआ, गम्भरी
सारि	:	धान, जजाइत
मघ	:	एकटा नक्षत्र, मकर, माघ मास
असरेस	:	श्लेषा नक्षत्र, पूस मास
करज	:	ऋण
छहर	:	तटबन्ध

प्रश्न ओ अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

(i) 'समय-साल' कविताक रचयिता छथि।

(क) चन्दा झा (ख) सुकान्त सोम

(ग) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' (घ) बुद्धिनाथ मिश्र

(i) चन्दा झाक कविताक शीर्षक अछि

(क) समय-साल (ख) शिवगीत

(ग) वन्दना (घ) हाथ

2. रिक्त स्थानक पूर्ति करू :

(i) भदइ सुखायल धान .....।

(ii) कोना ..... काटत जिउत कि खाय।

3. शुद्ध/अशुद्ध वाक्यकेँ चिह्नित करू :

(i) राति दिन कोदारि धय छहरक निर्माण कयल गेल।

(ii) बाढ़िमे धान दहाय गेल।

4. निम्न पाँतीक सप्रसंग व्याख्या करू :

(i) भदइ सुखायल धान दहाय।
गरिब किसान कि करत उपाय।।

कोना दिन काटत जिउत कि खाय।

वाल वचा मिलि करै हाय हाय ।।

(ii) समटु समटु जल कमला माय।

करु जनु एहन देवि अन्याय।।

असह दुख होइछ आस लगाय।

कैलहु खरचा करज कै खाय।।

5. सही युग्मक मिलान करू :

(i) विद्यापति	(क) एड्सक कालनाग
(ii) चन्दा झा	(ख) जवाहर लाल: जेहन देखलहुँ जहन पेआलहुँ
(iii) चन्द्रभानु सिंह	(ग) समय साल
(iv) जयकान्त मिश्र	(घ) चन्द्रमुखी
(v) लिली रे	(ङ) शिवगीत

6. लघूत्तरीय प्रश्न-

(i) भदैया फसिल कोन मासमे होइत अछि ?

(ii) छहर ककरा कहल जाइत अछि ?

(iii) छहरक निर्माण कोन उद्देश्यक लेल कयल जाइत अछि ?

(iv) बाढ़िमे धान दहा गेलाक बाद किसानक दिन कोना कटैत अछि ?

(v) कमला मायक पूजा कोन उद्देश्य लेल कयल जाइत अछि ?

7. दीर्घोत्तरीय प्रश्न-

(i) 'समय साल' कविताक भावार्थ लिखू।

(ii) पठित कविताक आधार पर बाढ़िक वर्णन करू।

(iii) भदइ सुखयलाक बाद आ धान दहयलाक बाद गरीब किसानक स्थितिक वर्णन करू।

(iv) चलल धन्धा मन्द भऽ गेल– कवि चन्द्र कोन रूपेँ वर्णन कयलनि अछि ।

गतिविधि-

1. 'बाढ़ि' पर कोनो दोसर कविक कविता लिखू।
2. भदइ फसल ककरा कहल जाइत अछि - छात्र आपसमे चर्चा करथि।
3. मघा आ असरेस नक्षत्रक विषयमे छात्र चर्चा करथि।
4. बाढ़ि अयला पर गरीब किसानक दशाक वर्णन करू।
5. बाढ़िसँ निदानक लेल छहरक निर्माण भेल अछि - पक्ष-विपक्षमे चर्चा करू।

निर्देश-

1. बाढ़िक विभीषिकासँ शिक्षक छात्रकेँ परिचित कराबथि।
2. कोशी नदीक कुसहा तटबन्ध टुटलासँ धन-जनक हानि भेल, शिक्षक छात्रकेँ बुझाबथि।
3. जल देवता कमला मायक आन गीत शिक्षक गाबि कऽ सुनाबथि।
4. छहरक निर्माण किएक कयल जाइत अछि, शिक्षक जनतब कराबथि।